नई दिल्ली, गुरुवार
8 अक्टूबर, 2020
नोएडा
मूल्य ₹ 4.00
पृष्ठ 14+4=18

दैनिक जागरण

www.jagran.com
दिल्ली, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और प. बंगाल से प्रकाशित

ई-नीलामी से तय होगी गैस की कीमत 8
कोरोना की रोकथाम के लिए चलेगा जागरूकता अभियान : जावडेकर 11

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से योगी के सपने भरेंगे उड़ान

उप्र ही नहीं उत्तराखंड, दिल्ली व हरियाणा को भी मिलेगा एयरपोर्ट का लाभ

धर्मेंद्र चंदेल ● नोएडा

लंबी जद्दोजहद के बाद नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट जेवर के निर्माण का सपना अब पूरा होने जा रहा है। यह सपना 2004 में देखा गया था। इस बीच साल 2012 में तत्कालीन अखिलेश यादव सरकार ने एयरपोर्ट के प्रस्ताव को रद कर दिया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन वर्ष पहले प्रदेश की सत्ता संभालते ही कटिबद्धता दिखाई और अब यह परियोजना धरातल पर उतरने जा रही है। बुधवार को नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट कंपनी लिमिटेड (नियाल) और निर्माण करने वाली स्विस कंपनी ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी के बीच ऐतिहासिक करार हो गया। वैसे तो योगी सरकार के खाते में बुंदेलखंड एक्सप्रेस व गंगा एक्सप्रेस-वे समेत कई उपलब्धियां हैं, लेकिन अब तक की यह सबसे बड़ी उपलब्धि है। विश्वस्तरीय इस एयरपोर्ट से न केवल गौतमबुद्धनगर व आसपास के शहर गाजियाबाद, हापुड़, मेरठ, अलीगढ़, बुलंदशहर, मथुरा व आगरा समेत उत्तर प्रदेश के विकास को चार चांद लगेंगे, बल्कि उत्तराखंड, दिल्ली व हरियाणा को भी लाभ होगा। यमुना एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न-वेस्टर्न परिफेरल एक्सप्रेस-वे एवं मेट्रो के चलते इन शहरों के लिए नोएडा एयरपोर्ट से बेहतर कनेक्टिविटी होगी। एयरपोर्ट बनने के बाद उक्त क्षेत्र घरेलू व अंतरराष्ट्रीय स्थानों से जुड़ जाएंगे। इससे दिल्ली एनसीआर को भी अतिरिक्त क्षमता मिलेगी। नोएडा एयरपोर्ट भारतीय संस्कृति व आतिथ्य को प्रमुखता देगा। नौकरियों का सृजन होगा, तो घरेलू व विदेशी निवेशकों के लिए उत्तर प्रदेश सबसे चहेता राज्य बन जाएगा।

टूर एंड ट्रैवल्स : जेवर में अतंरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने से गौतमबुद्धनगर से आगरा तक के लोगों को फायदा होगा। बड़ी संख्या में विदेशी पर्यटक आगरा ताजमहल व भगवान श्रीकृष्ण की नगरी मथुरा और वृंदावन आ सकेंगे।

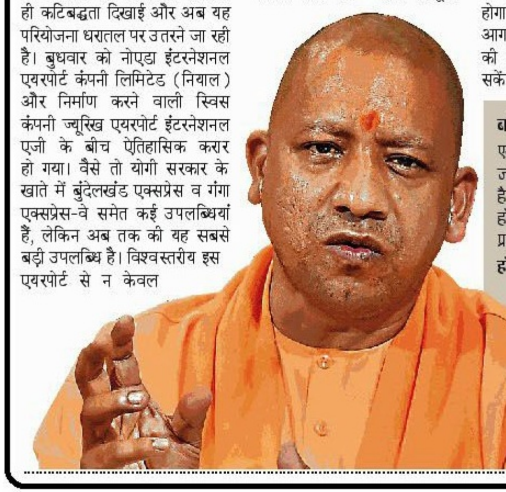

जमीन की कीमत बढ़ेगी

एयरपोर्ट बनने के बाद गौतमबुद्धनगर से लेकर अलीगढ़ तक जमीन की कीमत बढ़ जाएगी। इसका सीधा लाभ किसानों को होगा। बकौल नोएडा, ग्रेटर नोएडा के पूर्व सीईओ व चेयरमैन ब्रजेश कुमार, एयरपोर्ट समूचे जिले के लिए फायदे का सौदा होगा। करीब 50 किमी के दायरे में आने वाली भूमि की कीमत बढ़ जाएगी। जमीन पर लघु उद्योग लगेंगे। इससे लोगों की आमदनी बढ़ेगी।

बढ़ेगा औद्योगिक विकास

एयरपोर्ट बनने के बाद अन्य देश व राज्यों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी बन जाएगी। बकौल सेवानिवृत आइएएस टी.जार्ज जोसफ, जहां-जहां एयरपोर्ट है, वहां-वहां औद्योगिक विकास हुआ है। उद्योग लगने से हर वर्ग को फायदा होगा। उत्तर प्रदेश में निवेश बढ़ेगा तो सरकार को राजस्व भी मिलेगा। इससे प्रदेश का विकास होगा।

होटल व रेस्टोरेंट

एयरपोर्ट बनने के बाद अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की सुविधा के लिए यमुना एक्सप्रेस वे के किनारे ग्रेटर नोएडा से लेकर जेवर तक फाइव, सेवन स्टार होटल व रेस्टोरेंट बनेंगे। इनमें पब एवं मनोरंजन की अन्य सुविधाएं होंगी। इनमें स्थानीय लोगों को अपने घरों के पास ही रोजगार मिलेगा। कम पढ़े-लिखे लोग दूध, सब्जी होटलों में आपूर्ति करेंगे। इससे उनकी भी आमदनी बढ़ेगी।

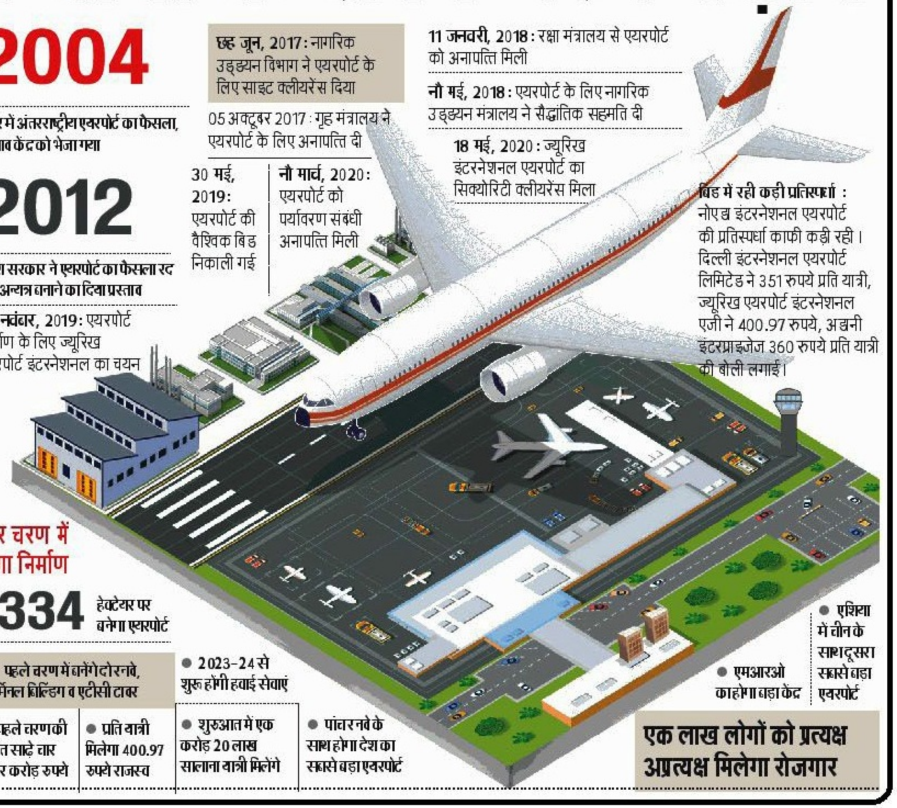

2004

जेवर में अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट का फैसला, प्रस्ताव केंद्र को भेजा गया

2012

प्रदेश सरकार ने एयरपोर्ट का फैसला रद कर अन्यत्र बनाने का दिया प्रस्ताव

छह जून, 2017 : नागरिक उड्डयन विभाग ने एयरपोर्ट के लिए साइट क्लीयरेंस दिया

05 अक्टूबर 2017 : गृह मंत्रालय ने एयरपोर्ट के लिए अनापत्ति दी

11 जनवरी, 2018 : रक्षा मंत्रालय से एयरपोर्ट को अनापत्ति मिली

नौ मई, 2018 : एयरपोर्ट के लिए नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने सैद्धांतिक सहमति दी

30 मई, 2019: एयरपोर्ट की वैश्विक बिड निकाली गई

29 नवंबर, 2019 : एयरपोर्ट निर्माण के लिए ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल का चयन

नौ मार्च, 2020: एयरपोर्ट को पर्यावरण संबंधी अनापत्ति मिली

18 मई, 2020 : ज्यूरिख इंटरनेशनल एयरपोर्ट का सिक्योरिटी क्लीयरेंस मिला

बिड में रही कड़ी प्रतिस्पर्धा : नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की प्रतिस्पर्धा काफी कड़ी रही। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड ने 351 रुपये प्रति यात्री, ज्यूरिख एयरपोर्ट इंटरनेशनल एजी ने 400.97 रुपये, अडानी इंटरप्राइजेज 360 रुपये प्रति यात्री की बोली लगाई।

चार चरण में होगा निर्माण

1334 हेक्टेयर पर बनेगा एयरपोर्ट

- पहले चरण में बनेंगे दो रनवे, टर्मिनल बिल्डिंग व एटीसी टावर
- 2023-24 से शुरू होंगी हवाई सेवाएं
- पहले चरण की लागत साढ़े चार हजार करोड़ रुपये
- प्रति यात्री मिलेगा 400.97 रुपये राजस्व
- शुरुआत में एक करोड़ 20 लाख सालाना यात्री मिलेंगे
- पांच रनवे के साथ होगा देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट
- एमआरओ का होगा बड़ा केंद्र
- एशिया में चीन के साथ दूसरा सबसे बड़ा एयरपोर्ट

एक लाख लोगों को प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष मिलेगा रोजगार